

नांदगांव टाइम्स

शनिवार, 01 फरवरी 2025, राजनांदगांव

आरएनआई 30910/76

वर्ष 49, अंक 109, पृष्ठ 04, मूल्य 3 रुपये

पुण्य स्मरण हमारी नीति स्पष्ट है-बोली का जवाब बोली से और गोली का जवाब गोली से - मुख्यमंत्री साय

बस्तर में जल्द ही अमन, चैन और शांति का माहौल स्थापित होगा

रायपुर। हमारी नीति स्पष्ट है - बोली का जवाब बोली से और गोली का जवाब गोली से। जो भी नक्सली आत्मसमर्पण कर समाज की मुख्यधारा में लौटना चाहते हैं, उनके लिए हमारी सरकार द्वारा बेहतर जीवन और पुनर्वास की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। जो हिंसा का रास्ता छोड़ गहनतन का मार्ग अपनाते हैं, उनका स्वागत है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बस्तर संभाग के अलग-अलग जिलों में लगातार नक्सलियों द्वारा किये जा रहे आत्मसमर्पण पर सूरक्षाबल के जवानों को बधाई देते हुए, उनके उदम्य साहस को नमन करते हुए कहा कि - आज कांकेर जिले में 7 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है, जिन पर कुल 32 लाख रुपए का इनाम घोषित है। इससे पहले नारायणपुर जिले के 27 एवं सुकुमा जिले के 52 लाख के इनामी 9 नक्सलियों ने सूरक्षाबलों के समक्ष आत्मसमर्पण किया है। अब तक 941 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है, जबकि



लगातार नक्सलियों द्वारा किये जा रहे आत्मसमर्पण पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सूरक्षाबल के जवानों को दी बधाई

आत्मसमर्पण नीति और नक्सलवाद के सफाए के लिए लगातार चलाए जा रहे अभियानों का प्रत्यक्ष परिणाम है। सीएम साय ने कहा कि अब तक 941 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है, जबकि

1,112 नक्सलियों को हमारे सूरक्षा बलों ने गिरफ्तार किया है। नक्सली मुठभेड़ों में 265 नक्सलियों का खान्सा हुआ है। नक्सलवाद की खोखली विचारधारा से त्रस्त होकर और बेहतर जीवन की उम्मीद

में नक्सली आत्मसमर्पण कर रहे हैं। यह इस बात का संकेत है कि नक्सलवाद अब अपनी अंतिम सांस गिन रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि मैं अपने बस्तर दौर के दौरान अक्सर आत्मसमर्पित नक्सलियों से मिलता हूँ। उनसे बातचीत में यह साफ झलकता है कि खोखली माओवादी विचारधारा को छोड़कर वे आज बेहतर जीवन जी रहे हैं और खुश हैं। चोर नक्सल प्रभावित जिलों के विभिन्न ग्रामों में नक्सल आधार को खत्म करने के लिए शासकीय योजनाओं के माध्यम से बुनियादी ढांचे और मूलभूत आवश्यकताओं का विकास कर रहे हैं। विष्णु देव साय ने कहा कि आत्मसमर्पित नक्सलियों और नक्सल पीछड़ा परिवारों के लिए 15 हजार प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत किए गए हैं। तब समय-समय के भीतर माओवाद के आतंक का अंत होगा। बस्तर में जल्द ही अमन, चैन और शांति का माहौल स्थापित होगा।

बालीवुड अभिनेत्री ममता कुलकर्णी हुई किन्नर अखाड़े से निष्कासित

अरविन्द तिवारी की रिपोर्ट

प्रयागराज (नांदगांव टाइम्स)। किन्नर अखाड़ा के संस्थापक ऋषि अजय दास ने बालीवुड अभिनेत्री ममता कुलकर्णी को अखाड़े के महामंडलेश्वर पद से निष्कासित कर दिया है। इसके साथ ही उन्होंने आचार्य महामंडलेश्वर लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी को भी किन्नर अखाड़े से निष्कासित कर दिया है, क्योंकि उन्होंने देशद्रोह की आरोपी ममता कुलकर्णी को अखाड़े में शामिल किया था और उनकी जानकारी के बिना उन्हें महामंडलेश्वर बनाया था। अजय दास ने आज ऐलान किया है कि अब नये सिरे से किन्नर अखाड़े का पुनर्गठन होगा, धार्य ही जल्द ही नये आचार्य महामंडलेश्वर का ऐलान होगा। किन्नर अखाड़े के संस्थापक ऋषि अजय दास ने कहा कि वर्ष 2015-16 के डूनीन कुंभ में डॉ. लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी को आचार्य महामंडलेश्वर बनाया था, मैं इस पद से उन्हें मुक्त करता हूँ। उन्होंने कहा कि जल्द ही उन्हें उसकी लिखित सूचना दे दी जाएगी। अजय दास ने कहा कि जिस समय प्रचार-प्रसार और धार्मिक कार्यों के साथ ही किन्नर समाज के उन्नाय आदि के लिये उनकी निरुक्ति की गई थी और वे उस पद से संबंधित पदच्युत हुए। ऋषि अजय ने किन्नर अखाड़ा के प्रयागराज कुंभ 2019 के मामले का निष्कर्ष निकालते हुए किन्नर अखाड़े के साथ एक लिखित अनुबंध 2019 के प्रयागराज कुंभ में किया। यह अनुबंध की नहीं, बल्कि एक प्रकार की 420 है। बिना संस्थापक के



सहमति और हस्ताक्षर के बिना अखाड़ा और किन्नर अखाड़ा के बीच का अनुबंध कानून के अनुकूल नहीं है। अनुबंध में जून अखाड़े ने किन्नर अखाड़ा संबंधित किया है। इसका अर्थ है कि किन्नर अखाड़ा 14 अखाड़ा यह है कि सनातन धर्म में 13 नहीं, केवल 14 अखाड़े मान्य हैं। यह बात अनुबंध से स्वयं सिद्ध है। किन्नर अखाड़ा को लेकर आचार्य महामंडलेश्वर लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी ने असहमति का जवाब दिया कि वह देशद्रोह का आरोपी नहीं है, उसे बिना किसी धार्मिक और वैराग्य को धरना के बिना संधि महामंडलेश्वर की उपाधि और पद/उपाधिके पद दिया। इस कारण मुझे आज बेमन से मजबूर होकर देशद्रोह, सनातन और समाज हित में उन्हें पदमुक्त करना पड़ा। किन्नर अखाड़े के नाम का असहमति अनुबंध जो जून अखाड़े के साथ कर किन्नर अखाड़े के सभी प्रतीक चिह्नों को भी क्षत-विधत किया गया है। यह

ना तो जून अखाड़े के सिद्धांतों के अनुसार चल रहे हैं, ना किन्नर अखाड़े के सिद्धांतों के। उदाहरण के लिये किन्नर अखाड़े के गठन के साथ ही वैजयंती माला गले में धारण कराई गई थी, वह शृंगार की प्रतीकात्मक है। उन्होंने उसे त्याग कर रक्षा को माला प्रतीक है। सन्यास बिना मुण्डन संस्कार के मान्य नहीं होता है। इस प्रकार यह सनातन धर्म प्रेमी और समाज के साथ एक प्रकार का छलावा कर रहे हैं, इसलिये इन जानकारी को जनहित और धर्माहित में दिया जा रहा है। गौरवले है कि बीते शुक्रवार यानि 24 जनवरी को ममता कुलकर्णी ने उत्तरप्रदेश के प्रयागराज में जारी महाकुंभ 2025 में अपना पिंडदान किया था और सन्यास अपना लिया था। इसके बाद भव्य पट्टाभिषेक कार्यक्रम में वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच आचार्य महामंडलेश्वर लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी को पद उर्फ किन्नर अखाड़े का महामंडलेश्वर बनाया गया था। उनका नया नाम श्री यामाई ममता नंद गिरी रखा गया था। वो सात दिनों तक महाकुंभ में रही, लेकिन तब से ही इसको लेकर विवाद जारी था कि एक

स्त्री को किन्नर अखाड़े का महामंडलेश्वर क्यों बनाया गया है ? और इसके साथ ही किन्नर अखाड़े में बड़ी कलह शुरू हो गई थी। **अखाड़ा के बंटवारा की आशंका** निष्कासन की इस कार्यवाही पर लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी ने भी प्रतिक्रिया देते हुये इस कार्यवाही को अनुचित बताया है। त्रिपाठी ने कहा कि अजय दास को किन्नर अखाड़े से पहले ही निष्कासित जा चुका है, वह किस हिसाब से कार्यवाही कर सकते हैं। किन्नर अखाड़े के संस्थापक अजय दास और आचार्य महामंडलेश्वर डॉ. लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी के बीच टकराव देखने को मिल रहा है। अजय दास की ओर से डॉ. त्रिपाठी को हटाने जाने का दावा किया गया है। इसके बाद किन्नर अखाड़ा प्रमुख लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी ने अजय दास पर पलटवार करते हुये कहा कि वर्ष 2017 में चरित्रहीनता के आरोप में अजय दास को निष्कासित किया जा चुका है, उनसे विवाद क्यों रिश्ता नहीं है। उन्होंने विवाद किया और उनकी एक बेटी भी है, वो संन्यासी नहीं हैं। उन्होंने दावा किया कि किन्नर अखाड़े को संस्थापक वही है। वही अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रविंद्रपुरी और महामंत्री हरिहरि ने भी लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी को अध्यक्ष और ममता देवी मंदिर ट्रस्ट के श्रीमंथ रविंद्रपुरी ने कहा कि जब जब से जानते हैं लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी 'को जानते हैं और अजय दास का नाम तो हमने सुना ही नहीं है।

पुण्य स्मरण

जन्म - 11.09.1953 वैकुण्ठवास - 01.02.2023

स्व. श्री साधाकिशन जी अग्रवाल

आपकी बातें, आपकी यादें, आपकी सीख और प्रेरणा बलकर हमें सदैव सत्कार्य के पथ पर, अग्रसर करती है, आपकी यादें हमारी अक्षय निधि है...

द्वितीय पुण्यतिथि पर शत-शत नमन...

फर्म :-

★ रामस्वरूप साधाकिशन अग्रवाल

★ श्री सांईनाथ प्लास्टिक ट्रेडर्स

★ लोकेश कुमार भावेश कुमार अग्रवाल

राजनांदगांव (छत्तीसगढ़)

मो - 98261-13120, 98274-02522

धर्मपत्नी : श्रीमती सुधादेवी अग्रवाल

पुत्र : पुत्रवधु - लोकेश - सोनल अग्रवाल

भावेश - बबिता अग्रवाल

पौत्र : कमल, आरुष, आर्यन, कुशिव

पौत्री : तृष्ठा अग्रवाल

एवं सम्पन्न गोयल परिवार

श्रद्धान्वत्

पुत्री : दामाद - उमागिरी - डॉ. निरंजन अग्रवाल

अंकिता - राजकुमार अग्रवाल

दोयता : डॉ. अमन, अभय, काव्य

दोयती : भूमि अग्रवाल

ज्ञान मंथन

- 01) अस्ट्रेलिया महाद्वीप का सबसे छोटा द्वीप कौन-सा है ?
- 02) नाभिकीय रिएक्टर में मंदक के रूप में किसका प्रयोग किया जाता है ?
- 03) विश्व जल सप्ताह 2024 कब से कब तक मनाया जा रहा है ?
- 04) हाल ही में मुतमिह मुरुगन अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 2024 कहाँ संपन्न हुआ ?
- 05) हाल ही में माउंट क्लिंमजरो पर बढ़ने का नया रिकार्ड बनाने वाले तैंग्रार सिंह किस राज्य से संबधित है ?

RamaQuiz (Pappu Ganesh)



उत्तर माला

- (1) नीरू (2) भारी जल या ग्रेफाइट (3) 25-29 अगस्त (4)
तमिलनाडु (5) पंजाब

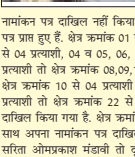
जनपद सदस्य के लिए पूर्णिमा कृष्णा साहू ने भरा नामांकन

राजनंदागांव (नांदागांव टाडम्स)। जनपद पंचायत राजनंदागांव के क्षेत्र क्रमांक 16 भेड़ौकला से भाजपा अधिपत्य प्रत्याशी श्रीमती पूर्णिमा कृष्णा साहू ने आज नामांकन फॉर्म भरा, जनपद क्षेत्र के समर्थकों में भारी उत्साह के साथ नामांकन दाखिल करने शामिल हुए जनपद क्षेत्र क्रमांक 16 के मतदाताओं में खुशी का माहौल है।

जनपद सदस्य के लिए अब तक

46 नामांकन पत्र दाखिल

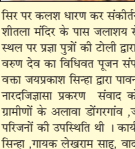
डोंगरगढ़ (नांदगांव टाइटिस) । विकासखंड डोंगरगढ़ जनपद सदस्य के द्वारा



नेताम के द्वारा नामांकन पत्र दाखिल किया गया है.

बड़हम में पांच दिवसीय गायत्री महायज्ञ शुरू

डोंगरगांव (नांदगांव टाइटम्स)। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वाधान में डोंगरगांव विकासखंड के समीपस्थ ग्राम बड़भूम में पांच कुंडीय गायत्री महायज्ञ एवं श्रीमद् पावन प्रज्ञा पुराण कथा का शुभारंभ हुआ। ग्राम के और आसपास के गायत्री परिवार से आए हुए पितृ गुरुयों भारी संख्या में उपस्थित रहे।



धर्म समाचार....

धार्मिक मत है कि माघ माह के शुक्ल तृथ को अष्टमी तिथि पर भद्रास्वयं और सार्वभौम सिद्धि योग बन रहे हैं। इसके साथ ही रवि योग का भी संयोग है। इन योग में पितरां का तृतीय एवं पिंडदान करने से साधक पर पतंगों की कृपा बरसेगी। इस शुभ अवसर पर साधक भीषण पित्तमाह के नाम से पिंडदान श्राद्ध कर सकते हैं। भीषण पित्तमाह की महत्ता का सुस्पष्ट पता लगाने वाला है। भीषण पित्तमाह के पित्त शान्ति और स्वातन्त्र्य प्राप्त पुण्यवर्षा में रोग हैं। भीषण पित्तमाह की इच्छा मनुष्य का बदतर पद है। उन्होंने हस्तिनपुर पर राजा बनकर राज्य नहीं किया, बल्कि संरक्षक बन हस्तिनपुर की रक्षा की। कई अवसर पर भीषण पित्तमाह ने अंध भी मूंढे ली। हालांकि, परिनिमित्त विषय होने के बाद उन्होंने उसी को धारण किया। आनेवाली की मूर्तों को भीषण पित्तमाह की आनेवाली के वस्त्रे पहनाकर को रोकना नहीं जा स्या। भीषण पित्तमाह ने कई बार दुष्टों को गलत कार्यों से निरपेक्ष रोग और नष्ट हो गए। इन वस्त्र से रक्षाधिपति ने शक्ति का टोटा इन्द्रमाल को दिया।

नांदगांव टाइम्स

राजनांदगांव ▪ शनिवार ▪ 01 फरवरी 2025 ▪

खंडहरनुमा घर से 05 पेट्री अवैध शराब जप्त

दिगार राज्य म.प्र. निर्मित अवैध शराब पर मोहारा पुलिस की कार्यवाही, अवैध रूप से बिक्री करने हेतु खण्डहर घर में डग्न कर रखे म.प्र. राज्य निर्मित शराब जप्त

[illegible]

खण्डहर घर की तलाशी लिया गया जिस पर उसके बुआ के खण्डहर घर में जिसका देख-रेख अजीत वैष्णव करता है जिसमें 05 खाने

राग का कटौत में ४०३० निम्न अंग्रेजी बीमा स्टाॅट्स् म्यूचुअल सोसायटी १८०७-१८८० प्रत्येक कटौत में ५०-५० नुमा विमसे प्रत्येक बीमा में १००-१८० एम्पल राखत घरे हुई लगभग २५० नुमा बीमा कुल मात्र- ५०००० क्लेमल कटौत किमती- ३३७५००-१०० मिला वो अंग्रेजी इतरे इलोनोमिया में नुमा इटुटी पे अंग्रेजी का अधर रूप से राख कटौत करने हुये राख राखना यजे अजे से उत राख वो काज का अंग्रेजी के किन्दु नुमा- ३४(२) अंग्रेजी के तहत कायमती कर अंग्रेजी को गिरफ्तार किच्य अंग्रेजी है। सही इतरे ओर प्रकृत में राख छोड़ने वाले अंग्रेजी अंग्रेजी बिना नये के काला गी को शीशे वाले स्क्रॉपीन के स्याक नईकाला उरुन नुमा यमा उरुन छोटे बहुत निमासी मोहारा को नुमा तलरा को वा रही है।

उक कदाबिमा में नुमा नुसोको लावा सिद्ध साङ्ग सहज वानद प्रओअर- मोहिये साङ्ग आरुख मनी सोनकर, मनी ठाङ्कू, मनी कुरं को यजिय मोयगत रहा है।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष, ब्लॉक अध्यक्ष सहित दर्जनों प्रदाधिकारियों ने दिया इस्तीफा

प्रेस कांफ्रेंस कर कांग्रेस पर लगाए गंभीर आरोप, लगभग डेढ़ सौ से अधिक कार्यकर्ताओं ने छोड़ा साथ

अंगारगढ़ चौकी। नारा पंचायत चुनाव में टिकट वितरण को ले कर पूरे प्रश्न में कई कांग्रेस के नाराय दियान नेना इसीपूर रैली में वहीं अरु विला मोहला मास्टरपुत्र चौकी में कांग्रेस पीछे होने के कथार में है, कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष,ब्याक अध्यक्ष सहित सचिवों कार्यकर्ताओं ने नाराय संकाय कांग्रेस पार्टी से इसीपूर दिया है । नारा पंचायत चुनाव में अगर नारा पंचायत नारा मोड आ गया है क्योंकि अरु नारा पंचायत चुनाव में कांसज जील के लिए बस रमनीति अंगारगढ़ चउरी ग्या भाषापा के हस्त इसनेको को भूवसे है । इस जिले व दो विधानभसा में पुर्वसे से ही कांग्रेस का दरबया

रहा है और कांग्रेस तरफ से भी दरबया भरसक हो रही है । कांग्रेस के बाद नारा को इक्तीना हाँति होता जा सकता है । कांग्रेस अस्ता मानिकपरा



बंसोड़, राममुनिमुचन कूरेशी महामंत्री, तु
 कानून विवारी सचिव जिला कांग्रेस कमि
 त्वनर डेहरिया सचिव ब्याक कांग्रेस कमि
 लोकप्रिय बोरकर जिलाध्यक्ष अमृतसुचन
 जाती विभाग, जयलाल सिन्हा पुर्व ब्य
 उपाध्यक्ष पुर्व पार्षद, मुमताजुद्दीन अ
 अध्यक्ष युवा कांग्रेस शहर, रानी पोर्टेरी प
 सचिव सेवा दल, अश्वान खान शहर उपाध
 युवक कांग्रेस युव अध्यक्ष, रेनाना गैंगर
 महिला कांग्रेस, तौसिद अहमद रब्ब
 महासचिव युवक कांग्रेस, शोभा मोयर सचि
 कांग्रेस सही डेड़ सौ कार्यकर्ताओं ने पार्टी
 इलाक़ा दिया है।

डंके की चोट पर सॉयल्टी के नाम पर, बिना सॉयल्टी के हो रही मुरम परिवहन खुलेआम

ग्राम पंचायत बघेरा के आसपास के क्षेत्रों से मरुम परिवहन किया जा रहा

खनिज अधिकारियों की कार्यवाही शून्य बिना रॉयल्टी के मरुम परिवहन के नाम पर

गंगावाद्याव (गंगावाद्य टायम) । जिवले में दिवदिवदे हो रहा मूसम को अरु मूसम अउजवन गंगावाद्याव विकासवाद्य बरुओ के आगमस बडु मूसम में मूसम क अरुअ अउजवन किरा जा रहस । पाले तो मूसम पखिवन को अनुकूलि लेते ह अनुकूलि बह बिन गंगीटी के खुलेआम मूसम पखिवन करते सामकाली पर देख जा सकस । विकासवाद्य के बरुओ में बडु मूसम में बिन गंगीटी के मूसम को अउजवन किरा जा रहस । पाले तो मूसम अउजवन मूसम मूसमिआन को हारा लेते को किरा जामत जा, लेकिअ अरु रह मूसमिआन को हारा लेते मुकदे हो मूसम किह दिनु पर हो खुलसमन कइसे से मूसम को अउजवन कर पखिवन करत हो । मूसम पर जो गजब विभाग को नजर ह और न हो खलिन विभाग को नजर ह । नह करुओर बेगइक चल रहस ।

[illegible]

ग्राणियों का नाम रहल रविवर को कहा

ग्राणियों का आरोप है कि हमारे ग्राम पंचायत में और पहले भी तातून के कितारों या रविवर की नाम पर तीन जगहों से मिट्टी और मृमम मिलवला जा रहल थी। हमको एही सबाबसे ग्राणियों पुरने सबाब और सबाब को काहें सबाब सोच सबाबयारी के असमय के खेत जवान के नाम पर काहें जगह या मिट्टी या मृमम परिवर्तन किला जा रहा है। एही ठीक उस जगह का भौतिक रसायनिक विश्लेषण दिमाग धारा किला जवान वाला। ग्राम पंचायत के प्रस्ताव के बाद उन्हीं के आधार पर बिला के अंशिकारों के अंशिकार मिलवला है। जगहनादीवाँव के एखे एखे के बाद चेमागट्टीवले मलिन ग्राम में देखी जा रहल है। कभी तातून में तो कभी खेतों में ताहें के बाद सबाबयार खजवन किला जवान रहे। ए मृमम खजवन का हवाई में भरकर परिवर्तन किला जवान रहे। ग्राम पंचायत के बाह्य दूरसे जिले में। ए मृमम का पंचायती में पंचायती की काहें माहसूस सबाबयार आया कि इस जगह का रविवर तो वैदिक जिन रावली के अर्थध सबाब से खजवन कर किला रावली के परिवर्तन किला जवान रहे। अर्थध जवान तो ग्राम

क्या कहते हैं जिले के जिम्मेदार अधिकारी
प्रवीण चंद्रकार ने बताया कि बघेरा में हेक्टेयर के हिसाब
परिवहन की स्वीकृति दी गई है अगर बिना रॉयल्टी
परिवहन की जारी है तो इसकी जांच कराई जाएगी।

धर्म समाचार....

[illegible]

भीष्म अष्टमी 2025



आखिरकार, कौरवों का सर्वनाश हो गया। धर्म की भाषा पितृमहर्षि शापित थे। इसी कर्म कृत्यों के चलते भीष्म पितृमहर्षि ने अपने पय और सब का त्याग किया। लेकिन क्या आपको पता है कि भीष्म अष्टमी क्यों और कब मनाई जाती है? आएँ, इसके बारे में सबकुछ जानें हैं—

अंधी माना जाती है। भाषाभारत दुर्लभ
पुस्तकें प्रकाशित करती अतः को बाणों से
भीषम विताहम बालस हो गए। भीषम
विताहम को इच्छा मनुष्य को वादना प्राप्त
बा, लेकिन वादना के बाद अवसर
अवसर के विज्ञानों आवाज नहीं उठाई
थी। अतः भीषम विताहम के मन में
ग्लानि थी कि किन्तु भी श्रेष्ठ वादना के
बाद भी ग्लानि शेष है। इसके लिए
भीषम विताहम दोषावृत्ति को भीषम
पुनर्वाचन से पुनर्वाचन होवे के बाद
माघ माघ को देह मृत्यु के लिए चुनते।

भीषम अंधी देह मृत्यु - माघ माघ
के शुक्ल पक्ष को अंधी तिथि को
चतुर्दशी ०५ चरकी को देह रत ०२
चतुर्दशी ३० मिनट पर अंधी वादना ३५
०५ चरकी को देह रत ११ चतुर्दशी ३५
३५ मिनट पर अंधी वादना प्राप्त से अंधी
से तिथि को गणना को भीषम अंधी।
इस सात ०५ चरकी को भीषम अंधी
माना जाएगा। इस दिन अंधी के लिए
यमपुत्र चतुर्दशी ११ चतुर्दशी ३० मिनट से
लेकर दोपहर ०१ बजकर ०१ मिनट

कब और क्यों हुई विद्या की देवी मां शारदे की उत्पत्ति? ब्रह्मा जी से जुड़ी है कथा

मानस धर्म में वसंत पंचमी का छात्रा मण्डल है। इस पर्व पंडित गंगाल और विश्वराम सेन देवी के भक्तों में प्रथमाया में मनाया जाता है। इस शुभ अवसर पर संगीत और विद्या की देवी मां शारदे की पूजा भी पूजा की जाती है। मां शारदे की मूर्ति काटने से साक्षात् को करियर में मनुमूर्तिकारिता मिलती है। इस मास माहात्म्य के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि पर विद्या की देवी मां शारदे की पूजा की जाती है। इस शुभ अवसर पर वसंत पंचमी मनाई जाती है। यह दिन पूर्णवर्ष मां सत्यवती को समर्पित होता है। अतः दिन पर मां शारदे की पूजा, गुणमय अथ वसंधाता की जाती है। सर्ववर्षिक स्थानों पर मां शारदे की प्रश्रिया स्थापित कर विद्या की देवी की विशेष पूजा की जाती है। तिथिक पंचमी के अनुसार, 02 सप्टेंबरी को माहा माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि है। इस शुभ अवसर पर वसंत पंचमी मनाई जाएगी। न्योतिष वसंत पंचमी के दिन से विद्या प्रारंभ शुभ होकर की सहायता देती है। लेकिन जब आश्वीनो तारी है कि कब और क्यों विद्या की देवी मां शारदे की उपासना हुई। अगर, इसके बारे में समझें।

[illegible]

